परिशिष्ट

प्रति
आदरणीय श्री.....
सह शिक्षक

मनिष बाबुराव पिल्लेवार
एम.एड (प्रारंभिक शिक्षा)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल
दिनांक.....

मैं **मनिष बाबुराव पिल्लेवार** आपसे निवेदन करता हूं कि मैं एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) के अंतर्गत लघुशोध प्रबंध **प्राथमिक शाला में कार्यरत शिक्षकों कि शैक्षिक परिपक्वता एवं कार्यो से उत्पन्न तनाव का अध्यन विषय पर कर रहा हूँ।**

इस कार्य हेतु आपसे विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों का चयन किया गया आपसे अनुरोध है कि इस शोध कार्य हेतु निम्न प्रश्नों के माध्यम से वांच्छित जानकारी प्रदान करने का कष्ट करें जिसके लिये मैं आपका आभारी रहूंगा।

मैं आपको पूर्ण रूप से विश्वस्त करना चाहता हूं कि आपके द्वारा दी गई जानकारी पूर्ण रूपसे गोपनीय रखी जायेगी तथा इस जानकारी का शोध के अतिरिक्त कोई अन्य उपयोग नहीं किया जायेगा।

इस कार्य में सहयोग के लिये पूनः धन्यवाद

आपका नम्र
मनिष बाबूराव पिल्लेवार
एम.एड., (छात्र)

व्यक्तिगत जानकारी

* शिक्षक/शिक्षिका का नाम : .....

* शिक्षक/शिक्षिका का पद : .....

* शाला का नाम : .....

* शाला का प्रकार : शासकीय / अशासकीय

* शिाक की वैवाहिक स्थिति : विवाहित / अविवाहित

* शिक्षक की शैक्षिक योग्यता :

अ.क्र.	शैक्षिक योग्यता	वर्ष	बोर्ड/विश्वविद्यालय	श्रेणी	प्रतिशत
1.	हायर सेकेन्ड्री				
2.	ग्रेज्यूएशन				
3.	पोस्ट ग्रेज्यूएशन				
4.	एम. फिल				
5.	पी.एच.डी.				

* शिक्षक व्यवसायिक योग्यता

अ.क्र.	व्यवसायिक योग्यता	वर्ष	बोर्ड/विश्वविद्यालय	श्रेणी	प्रतिशत
1.	डी.एड.				
2.	बी.एड.				
3.	एम.एड.				

* अध्यापन के क्षेत्र में अनुभव पूर्ण वर्षो में : .....

* शिक्षक का मासिक वेतनमान : प्रारंभ – वेतन वृद्धि – अंतिम सीमा

प्रा.शाला की शैक्षिक परिपक्वता संबंधी प्रश्नावली

- आपने कितने अभिविन्यास / पुनश्चर्या कार्यक्रमों में भाग लिया है तथा उनके मध्य कितना अंतराल रहा है? : .....
- क्या आपने प्राथमिक शाला की परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों का निर्माण किया है ? : हाँ / नहीं
- क्या आपने प्राथमिक शाला परिक्षाओं के प्रश्न पत्रों का मूल्यांकन कियाहै? : हाँ / नहीं
- क्या आपने प्रा. शाला पाठयक्रम में उपयुक्त होने वाली पठन–पाठन सामगी बनाने में योगदान किया है? : हाँ / नहीं
- यदि हां तो कक्षा एवं विषय का उल्लेख करें? : .....
- अपने सेवा काल में कितनी शालाओं में कार्य किया है : (1–2) (3–4) (5–6) अथवा (7–8)
- अपने सेवाकाल के दौरान किन–किन पदों पर कार्य किया है। : .....
- क्या आपको शिक्षा के क्षेत्र में मान्यता प्राप्त समिति द्वारा अवार्ड (सम्मान पत्र) प्राप्त हुए हैं। : हाँ / नहीं
- यदि हां, तो कौनसे अवार्ड (सम्मान पत्र) तथा किस स्तर पर : ..... (शाला / ब्लॉक / जिला / राज्य / राष्ट्रीय)
- आपके पढ़ाये हुये विद्यार्थी पदो कौन से पर कार्यरत है? : शिक्षक, डॉक्टर, इंजीनियर, प्रशासकीय अधिकारी, अन्य।
- आप अध्यापन के अतिरिक्त शाला से संबंधित कौन–कौन से कार्य करते हैं? : अतिरिक्त कक्षा पढ़ाना, समय सारणी बनाना, अनुशासन देखना, उपस्थिति का लेखा रखना

☞ क्या आपको प्राचार्य द्वारा गोपनीय कार्यो की जिम्मेदारी दी जाती है।	:	हाँ / नहीं
☞ विद्यालय में समस्या उत्पन्न होने की स्थिति में आपकी क्या भूमिका रहती है।	:	विद्यालय समिति के अध्यक्ष रूप में सदस्य के रूप में/ कोई भूमिका नहीं निभाते/अन्य भूमिका।
☞ अध्यापन कार्य करते समय उत्पन्न समस्याओं को आप कैसे हल करते है।	:	सहयोगी शिक्षकों से चर्चा कर/मुख्य अध्यापक से चर्चा कर/विद्यार्थी एवं विद्यार्थियों पालाकें से चर्चा कर।

प्रा. शाला शिक्षकों के कार्यो से उत्पन्न तनाव संबंधी अनुमतांक मापनी

अ.क्र.	प्रश्न	सहमत	अनिश्चित	असहमत
1.	शिक्षक के रूप में मुझे अधिक कार्य करना पड़ता है।			
2.	मुझे अपने शैक्षिक कार्यो के संबंध में उपलब्ध निर्देश अस्पष्ट और अपर्याप्त हैं।			
3.	मेरे कार्यो के संबंध में प्रधानाध्यापक एवं अन्य अधिकारियों के निर्देष परस्पर विरोधी होते हैं।			
4.	प्रधानाध्यापक, अधिकारित शिक्षकों, के निर्देशों के बीच सामंजस्य स्थापित करना मेरे लिए कठिन कार्य बन जाता हैं।			
5.	अन्य शिक्षकों के कार्यो की जिम्मेदारी मेरे ऊपर थोप दी जाती हैं।			
6.	शाला में मेरी सलाह पर ध्यान दिया जाता है तथा उन्हें क्रियान्वित भी किया जाता हैं।			
7.	शालेयकार्य विभाजन के संबंध में प्रधानाध्यापक मेरी सलाह, सुझावों को समुचित ढंग से मान्यता देते हैं।			
8.	मुझे अपने पसंद के व्यक्तियों के साथ कार्य करना अच्छा लगता हैं।			
	मुझे सौंप गये कार्य नीरस तथा उबाऊ प्रकृति के हैं।			
	शाला के प्रधानाध्यापक तथा उच्च अधिकारी मेरे आत्म–सम्मान का ध्यान रखते हैं।			
	मुझे अपने परिश्रम तथा कार्यो की तुलना में कम वेतन मिलात है।			
	झे समय पर वेतन नहीं मिलने से मेरी अन्य र्यप्रणालियां रूक जाती हैं।			

2005:2006

अ.क्र.	प्रश्न	सहमत	अनिश्चित	असहमत
13.	मैं अपना कार्य तनावपूर्ण स्थिति में करता हूं।			
14.	कार्यो की अधिकता के कारण जरूरत से कम शिक्षकों में ही काम चलाना पड़ता है।			
15.	मेरे कार्यो के लक्ष्य तथा उद्देश्य निर्धारित हैं।			
16.	मेरी शालेय कार्यविधियां पूर्णतः स्पष्ट तथा नियोजित हैं।			
17.	अन्य शिक्षकगण मेरे कार्यक्षेत्र तथा काम करने की विधि में हस्तक्षेप नहीं करते।			
18.	शाल अंतर्गत गुटबाजी के कारण मुझे न चाहते हुये भी कुछ ऐसे काम करने पड़ते हैं। जिन्हें मैं नहीं करना चाहता।			
19.	अनेक छात्रों के भविष्य की जिम्मेदारी मेरे ही ऊपर हैं।			
20.	शैक्षिक प्रशासनिक स्तरीय समस्याओं को सुलझाने में मेरा सहयोग लिया जाता है।			
21.	शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के विषय में मेरी सलाहों को समुचित महत्व दिया जाता है।			
22.	मेरे कुछ सहकर्मी शिक्षक मुझे असफल तथा हताश करने की कोशिश करते हैं।			
23.	मुझे अपनी कार्यक्षमता तथा अनुभवों को स्वतंत्र ढंग से उपयोग करने का अवसर नहीं मिलता।			
24.	शिक्षक की नैकरी के कारण मुझे समाज में काफी सम्मान मिलता है।			
25.	मेरे कठिन परिश्रम तथा कुशल निष्पादन के लिए मुझे योग्य प्रतिफल पुरस्कार मिलता हैं			
26.	मेरी कुछ जिम्मेदारियाँ बहुत कठिन एवं जटिल स्वभाव की हैं।			

अ.क्र.	प्रश्न	सहमत	अनिश्चित	असहमत
27.	कार्यो की अधिकता के कारण मुझे अपने काम बहुत ही जल्दी निपटाने में काफी परेशानी होत है।			
28.	मुझे अध्यापन के लिये प्रयुक्त साधनों के आभाव में कार्य करना पड़ता है।			
29.	मेरे कार्य अस्पष्ट होने के कारण मैं अपने कार्य सुगमता पूर्वक नहीं कर पाता हूं।			
30.	मुझे जो नये कार्य दिये जाते हैं उन्हें करने के लिए स्पष्ट निर्देशों का अभाव होता है।			
31.	सामूहिक अनुकूलता बनाये रखने के लिए मुझे कभी–कभी सामान्य से अधिक कार्य करना पड़ता है।			
32.	शाला के विकास तथा उन्नति का एक महत्वपूर्ण दायित्व मेरे ऊपर हैं।			
33.	शाला की महत्वपूर्ण योजनाओं में मेरी रूचि तथा महत्व का ध्यान रखा जाता है।			
34.	शैक्षिक समस्याओं को सुलझाने में मेरे सहकर्मी शिक्षक स्वेच्छापूर्वक सहयोग देते हैं।			
35.	शाला में मुझे अपनी अभियोग्यता तथा कौशल को विकसित करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलात है।			
36.	प्रधानाध्यापक मेरे कार्यो को विशेष महत्व नहीं देते हैं।			
37.	शालेय प्रशासन के कार्य में अन्य शिक्षक सहयोग प्रदान नहीं करते है।			
38.	मैं अनुभव करता हूं कि शिक्षक पेशे के कारण मेरा जीवन एक बोझ सा बन गया है।			
39.	शैक्षिक कार्यो में अधिक व्यस्त रहने के कारण मैं अपने परिवार को उचित समय नही दे पाता।			

अ.क्र.	प्रश्न	सहमत	अनिश्चित	असहमत
40.	शिक्षक होने के पश्चात मैं व्यक्तिगत कार्यो व समस्याओं के लिए पर्याप्त समय नहीं दे पाता हूं।			
41.	शाला के अन्य शिक्षक, औपचारिक कार्य प्रणाली को समुचित महत्व देते हैं।			
42.	शालातंर्गत गुटबाजी, विभिन्न प्रकार के दबावों (राजनैतिक, सामूहिक) के कारण मुझे प्रायः नीतियों तथा नियमों का उल्लंघन करने को मजदूर होना पड़ता है।			
43.	शालेय कार्य प्रणाली में किसी प्रकार के सुधार तथा परिवर्तन के संबंध में मेरी सलाह मांगी जाती है।			
44.	शाला के सहकर्मियों शिक्षकों में पारस्परिक सहयोग तथा समूह भावना पर्याप्त मात्रा में है।			
45.	शाला के उन कार्यो तथा समस्याओं के समाधान में मेरा सहयोग या सलाह नहीं लिया जाता है, जिसके लिए मैं पर्याप्त हूं।			
46.	शाला की स्थिति, कार्य दशा, हमारी सुविधा तथा कल्याण की दृष्टि से संतोषजनक नहीं है।			
47.	मुझे कुछ ऐसे कार्य भी करने पड़े हैं जो दूसरों शिक्षकों को करने चाहिये।			
48.	वर्तमान कार्यप्रणाली के स्थान पर एका–एक (अचानक) नवीन प्रणाली को कार्यान्वित करने में काफी परेशानी हो जाती है।			
49.	कभी–कभी कार्यो का दबाव (तनाव) मेरे लिये पुर्णःबलन (Motivation) का कार्य करता है।			
50.	समय की कभी तथा कार्यो के दबाव के कारण मैं अपने कार्यो को महत्व देकर पूर्ण करता हूं।			
51.	समय–समय पर पाठ्यक्रम में परिवर्तन के कारण मुझे कठिनाई का सामना करना पडत्रता है।			
52.	मेरे अनुभवों तथा योग्यता को शाला में कोई महत्व नही दिया जाता।			